प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट

1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2017

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

वार्षिक रिपोर्ट – वर्ष 2016–2017

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा वर्ष 2016–2017 में संस्था के कार्यक्षेत्र भीमपुर विकासखण्ड के 5 गाँव पीपलढाना, झापल, मानकदण्ड, सिंगारचावड़ी एवं भाण्डवा में रूम टू रीड के गर्ल्स एजुकेषन प्रोग्राम से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों एवं विकासखण्ड आमला, जिला बैतूल के 10 ग्राम नयेगाँव, अम्बाड़ा, ससुन्द्रा, देवठान, नांदपुर, केदारखेड़ा, परसोड़ा, लालावाड़ी, काजली, कनौजिया तथा जिला हरदा के 50 गॉव एवं सामाजिक न्याय केन्द्र भोपाल के माध्यम से मध्यप्रदेष में कार्य किया । एक्षनएड इंडिया (भोपाल) के दलित अधिकार अभियान कार्यक्रम के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों का संचालन गॉव के दलित आदिवासी,एवं समाज की अंतिम पंक्ति के पिछड़े हुए निर्धन बेसहारा ,गरीब लोगों के बीच जागरूकता एवं बेहतर समन्वय को स्थापित करने के उद्देष्य से किया गया जिसमें मुख्य रूप से षिक्षा का महत्व व उसकी अनिवार्यता,षिक्षा में सुधार, बेहत्तर पारस्परिक समन्वय,सामुदायिक एकता,छुआछूत व भेदभाव की समाप्ति करना,स्वच्छता संबंधी,जलसंरक्षण संबंधी वृक्षारोपण,पर्यावरण संरक्षण, नषा मुक्ति,भूमि अधिकार, त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव की प्रक्रिया में समुदाय की सक्रिय भागीदारी, बच्चों के अधिकार, महिलाओं की चुनाव में प्रतिनिधि के रूप में खुलकर भागीदारी ग्रम समुदाय के लोगों के आर्थिक, सामाजिक बदलाव के लिये ग्राम स्तरीय समन्वय बैठकें,महिला हिंसा का विरोध ,एवं ग्राम के समुदाय को अपने विकास के लिये समूहो के रूप में तैयार कर अपने गॉव के विकास के लिये प्रोत्साहति करने का प्रयास किया गया जिससे इन समुदाय के दबे–कुचले व सामाजिक ,आर्थिक तथा नैतिक रूप से पिछड़े इन लागों को समाज के विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया गया जिसके अंर्तगत संस्था के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं द्वारा अपने कार्य क्षेत्र में सतत् रूप से ग्राम समुदाय से निरंतर समन्वय बैठकें, प्रषिक्षण, अभियान जैसी गतिविधियों को आयोजित किया गया ।

रूम टू रीड दिल्ली के गर्ल्स एजुकेषन प्रोग्राम के अन्तर्गत :

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था, बैतूल जिले के भीमपूर ब्लॉक के ग्राम पीपलढाना, झापल, भाण्डवा, मानकदण्ड और सिगांरचावड़ी में रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के साथ **बालिका षिक्षा कार्यक्रम** चला रहीं है। भीमपुर विकास खण्ड के ये गांव पिछड़े, ग्रामीण, और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जिस कारण से यहां पर निवास करने वाले परिवारों के बच्चे जानकारी के अभाव के कारण से षिक्षा से बहुत दूर है, मूलतः यहां पर बालिका षिक्षा में अधिक कमी है। ये ग्राम मुख्यतः बैतूल जिला मुख्यालय से लगभग 65 कि.मी. की दूरी पर स्थित है और इसके अलावा यह क्षेत्र पहाड़ी, पथरीला और बंजर है इस कारण से यहां के निवासी केवल बारिष के दिनो में होने वाली फसल का उत्पादन ही ले पाते है और बाकि समय में काम करने के लिये इन परिवारो के सदस्यों को बाहर जाना पढ़ता है।

इन ग्रामों में लड़को की षिक्षा पर अधिक महत्व दिया जाता है, परन्तु इन क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवारो के लड़के भी घर की आर्थिक परिस्थिति कमजोर होने के कारण से अधिक नही पढ़ पाते है और बालिकाओं को घर के काम के अलावा खेतों में भी काम करने के लियें जाना पड़ता है जिससे बालिकाओं का भविष्य अंधकारमय था। इस प्रकार के वातावरण में बालिकाओं के हाथ में काम की जगह किताबें देना और बालिकाओं के भविष्य को अंधेरे से बाहर निकालना एक कठिन कार्य था। इस प्रकार के कार्य को सफल बनाना रूम टू रीड इण्डिया ट्रस्ट द्वारा चलाये जा रहे ''बालिका षिक्षा कार्यक्रम'' से हो रहा, जिसका संचालन प्रगति ग्रामीण विकास संस्था द्वारा भीमपुर विकास खण्ड के पाँच ग्रामों में किया जा रहा। जिसका लाभ माह अप्रैल से जून तक 107 बालिका जुलाई से अक्टुम्बर 62 बालिका तथा अक्टुम्बर से दिसम्बर तक 52 बालिकाओं को मिला । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देष्य बालिकाओं को षिक्षा से जोड़ना और उनका सर्वांगीण विकास करना है। जिसका संचालन प्रगति ग्रामीण विकास संस्था द्वारा भीमपुर विकास खण्ड के पाँच ग्रामों में किया जा रहा। जिसका लाभ माह अप्रैल से जून तक 107

बालिका जुलाई से अक्टुम्बर 62 बालिका तथा अक्टुम्बर से दिसम्बर तक 52 बालिकाओं को मिला । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देष्य बालिकाओं को षिक्षा से जोड़ना और उनका सर्वांगीण विकास करना है।

वार्षिक गतिविधियाँ : –

जीवन कौषल सत्र ,स्कूल विजिट ,पालक बैठक ,फिल्ड विजिट ,गृह भ्रमण, केस स्टडी ,मासिक बैठक ,उपलब्धियॉ ,चुनौतियॉ

जीवन कौषल सत्र

वेरीएषन 2 की सभी छात्राओं को जीवन कौषल के सभी सत्र कराये गयें जिसमें प्रतिमाह में अलग–अलग सत्रों का अध्ययन कराया जाता है। जिससे छात्राओं को बेहतर जीवन जीने के बारे में सामान्य जानकारी दी जाती है। जिसका उपयोग छात्राएं अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कर सकती है। ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं में जीवन जीने की कला का अभाव होने के कारण से यहां की छात्राओं को जीवन कौषल के सत्रों का अध्ययन अच्छा लगता है। जीवन कौषल षिक्षा से छात्राओं को किताबी शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ जीवन के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़ी व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया, जिसमें छात्राओं को सामाजिक संबंधों की महत्ता, ग्राम परिवेष अर्थात पंचायतीराज में महिलाओं की भूमिका का महत्व, सफल जीवन के लिये षिक्षा अर्जन और उसकी उपयोगिता आजीविका व नौकरी के लिये षिक्षा की अनिवार्यता व शत प्रतिषत प्रयास करना, बेहतर स्वास्थ्य के जरिये पढ़ाई को और बेहतर करने के नुस्खे, किषोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में चुनौतियाँ व सावधानियाँ, षिक्षा के अर्जन के साथ साथ जीवन का लक्ष्य तय करना व उसको प्राप्त करने के लिये रणनीति बनाना व सदैव प्रयासरत रहना है। सभी सहायक षिक्षक केन्द्रों पीपलढाना, मानकदंड, सिंगारचावड़ी, झापल और भाण्डवा मे प्रतिमाह जीवन कौषल का सत्र लिया जाता है,

जिसमें कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की रूम–टू–रीड इंडिया ट्रस्ट के बालिका षिक्षा कार्यक्रम से जुड़ी छात्रायें सम्मिलित होती है।

पॉचो सहायक षिक्षण केन्द्र में जीवन कौषल सत्र की जानकारी उचित जीविका चुनना ,मतभेद से निपटना व अपनी बात को सही तरीके को मनवाना , ध्यान केन्द्रित करना ,एच.आई. वी. /एड्स के संदर्भ में कलंक व भेदभाव ,तनाव से निपटना , परीक्षा की बेहतर तैयारी , मतभेद से निपटना व अपनी बात सही तरीके से मनवाना, किषोर और नषिले पदार्थो का सेवन, परीक्षा की बेहतर तैयारी, भावनात्मक विकास और समझदारी

स्कूल विजिट

रूम टू रीड के गर्ल्स एजुकेषन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले स्कूल में जहा जी.ई.पी. की छात्राऍ अध्यनरत हैं उस स्कूल की विजिट की जाती हैं। जिसमे छात्राओं की पढ़ाई को लेकर, छात्राओ की समस्या को लेकर, छात्राओ की परीक्षा से जुड़ी हुई जानकारी को लेकर, उपस्थिति लेने समय–समय पर विजिट की जाती है।

पालक बैठक

पालक अपनी बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर के बारे मे जान पाये तथा उनके स्तर को सुधारने पालको को स्कूल से जोड़ने रखने तथा छात्राओं की शाला में उपस्थिति के बारे में चर्चा करने के लिये छात्राओं के माता–पिता के साथ में त्रैमासिक बैठक रखी जाती है जिसमें पालको को स्कूल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया छात्राओं के स्वास्थ्य से जुड़ी बातो पर भी चर्चा की जाती है तथा उनके भविष्य के लिये भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है। पालको को बताया जाता आज के आधुनिक युग में शिक्षा का बहुत ज्यादा महत्व है, बिना षिक्षा के हम कितनी भी कोषिष कर ले, पर अपनी मंजिल को प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। इसलिये आप अपनी बालिकाओ को पढ़ाये जिससे वे अपने पैरो पर खड़ी हो सके और अपने परिवार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। इनके अलावा छात्राओं पालको के साथ में अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

- पालको से छात्राओ की पढ़ाई को लेकर चर्चा की गयी।
- पालको से पढ़ाई के समय छात्रा को काम व महेमान न भिजवाने के लिए कहा गया ।
- छात्राओं के तिमाही रिजल्ट पर चर्चा ।
- छात्राओं को पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय देने पर चर्चा ।
- छात्राओं को पढ़ाई के समय काम न करवाने पर चर्चा ।
- छात्राओं को नियमित स्कूल भिजवाने पर चर्चा ।
- पालको को समय–समय पर स्कूल जाने पर चर्चा।

पालको द्वारा कहा गया की अब से हम अपने बच्चों की पढाई का पूरा ध्यान रखेगे, हम उन्हें काम करने के लिए बाहर नही भिजवयेगे, पढ़ाई के समय कही महेमान नही जाने देगे, हम उन्हें पढ़ाई के समय घर पर भी काम से नही लगायेगे, पर्याप्त समय पढ़ाई के लिए देगे, नियमित रूप से स्कूल भिजवायेगे व हम भी समय–समय पर स्कूल जाकर अपने बच्चो की जानकारी लेगे।

पालक प्रषिक्षण

रूम टू रीड के गर्ल्स एजुकेषन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा वर्ष 2016 के दौरान हर तिमाही पालको का प्रषिक्षण (उन्मुखीकरण) का आयोजन ग्राम स्तर पर किया गया। जिसमें 62 प्रतिभागियों ने भाग लिया । क्रमषः दोनो दिन कार्यक्रम की शुरूवात प्रातः 10.00 बजे से की गई। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं द्वारा उपस्थित पालको के साथ प्रषिक्षण की औपचारिकताओ को पूरा करते हुये संस्था संचालक श्री प्रमोद नाईक द्वारा सभी पालकों को रूम टू रीड के गर्ल्स एजुकेषन कार्यक्रम की महत्ता बताते हुये उद्देष्यों की जानकारी देकर पालक प्रषिक्षण को किये जाने की अनिवार्यता व उसके उद्देष्यो की जानकारी देकर पालक प्रषिक्षण को किये जाने की अनिवार्यता व उसके उद्देष्यो के बारे में बताकर छात्राओ के शैक्षणिक भविष्य के परिप्रेक्ष्य में इस तरह के प्रषिक्षणों को किये जाने की सरल व उपयोगी जानकारी दी गयी, जिसमें नाईक सर आपके गॉव में 2007,2008 और 2010 से शुरू हुआ हैं। जिसमें छात्राऍ लाभ ले रही है। छात्राऍ छुट्टीयो में घर पर पढाई कर रही है या नही। पालको से छात्राओं पर ध्यान देने

को कहा, उन्हें पढ़ाई के लिए समय देने के लिए कहा, उनसे अधिक काम न करवाने के लिए कहा, पालको से छात्राओं के शैक्षणिक स्तर की जानकारी दी

बाल केबिनेट बैठक

सभी सहायक षिक्षक केन्द्रोपर बाल केबिनेट की बैठके आयोजित हुई जिसमें गपषप पत्रिका एवं दीवार अखबार बनाये गये । जिसमें पानी बचाओं के संबंध में थी जो सभी ग्रामवासियों को बताया गया ।

फील्ड विजिट –:

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था के अंर्तगत भीमपुर विकास खण्ड के कार्यक्षेत्र में रूम टू रीड के पदाधिकारियों पर समय समय पर विजिट की गई एवं महत्वपूर्ण मार्ग दर्षन दिया गया तथा ग्रामवासियों एवं छात्रायें तथा षाला स्टाप से सम्पर्क किया गया ।

गृह भ्रमण

रूम टू रीड के बालिका षिक्षा कार्यक्रम से जुड़ी बालिकाओं के गृहो का भ्रमण भी समय–समय पर किया जाता है। जिससें पालको को छात्राओं की उपलब्धियो से अवगत कराया जाता है और छात्राओं की समस्या भी बतायी जाती है। जीवन कौषल सत्र की जानकारी देने,छात्राओं की परीक्षा संबंधी जानकारी के लिए छात्रा परीक्षा में बैठ रही हैं या नही इसकी जानकारी के लिए, छात्राओं को घर पर पढ़ाई के लिए समय देने के लिए, छात्रा घर पर पढ़ाई कर रही हैं या नही उसकी जानकारी के लिए आदि।पालक बैठक व पालक प्रषिक्षण की जानकारी देने, छात्रा के स्वास्थ्य संबंधी समस्या पर पालको से सम्पर्क किया जाता है। छात्राओं कि नियमित उपस्थिति को को लेकर एडमिषन को लेकर, परीक्षा फार्म भरवाने पर आदि के लिए गृह भ्रमण किया जाता है।

संस्था कार्यकताओं की मासिक बैठक –

बालिका षिक्षा कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी तथा माह में किये गये कार्य, काम करतेसमय कार्यक्षेत्र पर आई परेषानी और परेषानी से निपटने के लिये लिये क्या रणनीति अपनाई गई इसके बारे में चर्चा करने के लिये संस्था के कार्यालय में मासिक बैठक आयोजित की जाती है। जिसमे संस्था प्रमुख नाईक जी उपस्थित थे। इसके साथ में अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा की जाती है।

1. बालिकाओं की पढ़ाई, जीवन कौषल सत्रसंबंधी जानकारी के लिएग्रह भ्रमण के दौरान की गई चर्चा पर विचार किया जाता है।

2. पिछले माह के कार्यो पर विचार–विमर्ष किया गया जिसमें पिछले माह र्निधारित किए गए लक्ष्यगत कार्यो पर समीक्षात्मक चर्चा की गयी।
3. जी.ई.पी. की ड्राप आउट छात्राओं से एवं उनके पालकों से सतत् समर्पक स्थापित कर उन्हें षिक्षा से जोड़े रखने का प्रयास किया जाना जरूरी है पर चर्चा।
4. गर्ल्स एजुकेषन प्रोग्राम से पास–आउट छात्रा ''कुषल छात्रा'' को कार्यक्रम की अन्य छात्राओं के षिक्षण लाभ के लिए कार्यक्रम से जोड़े जाने और उसकी अंषकालीन सेवा लेने पर चर्चा।
5. पास–आउट छात्राओं पर सत्त निगरानी रखना जिससे वे उच्च षिक्षा व बेहतर रोजगार से जुड़ सके पर चर्चा।
6. जीवन कौषल सत्र के बारे में चर्चा।
7. कक्षा 11 वीं व कक्षा 12 वीं की छात्राओं की पढ़ाई पर विषेष ध्यान केन्द्रीत किया जाना है। जिससे सभी पास हो सके व कार्यक्रम की उपलब्धी बने।
8. लक्ष्य पर काम करने पर चर्चा।
9. गृह भ्रमण के दौरान पालको से किस विषय में किस तरह चर्चा की जाती उस पर चर्चा।
10. हर सप्ताह प्लान बानाकर उस पर कार्य करने की गतिविधियो पर चर्चा ।
11. उपलब्धि और चुनौतियों पर चर्चा।

स्कूल फीस

सभी सहायक षिक्षक केन्द्रों पीपलढाना, मानकदंड, सिंगारचावड़ी, झापल और भाण्डवा मे कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की रूम–टू–रीड से जुड़ी छात्राओ को स्कूल में सम्मिलित होने के लिये स्कूल फीस दी गई। स्कूल फीस एवं परिक्षा फीस जमा होने से छात्राओं के परिवार के लोग खुष हुये और उनका आर्थिक भार भी कम हुआ।

सामग्री वितरण

रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट नई दिल्ली के द्वारा **गर्ल्स एजुकेषन कार्यक्रम** प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल के सहयोग विकासखण्ड भीमपुर के पांच ग्रामों भाण्डवा, सिंगारचावड़ी, मानकदण्ड, झापल एवं पीपलढ़ाना में चलाया जा रहा है। जिसमें पांचों सहायक षिक्षण केन्द्रों की वेरिएषन 2 की कुल 62 छात्राओं को सहायक षिक्षण सामग्री का वितरण बजट के देरी से आने के कारण माह अगस्त 2016 में किया गया। दिनांक 01–09–2016, 02–09–2016 में सभी पांचो सहायक षिक्षण केन्द्रों में सामाग्री का प्रदाय की गई। सहायक षिक्षण सामग्री के मिलने से छात्राएं बहुत खुष थी सहायक षिक्षण सामग्री के मिलने के कारण छात्राओं की षिक्षण संबंधी आवष्यकताओं की पूर्ति को पूरा किया गया क्योकिं ये छात्राएं के परिवार की आर्थिक स्थिति

ठीक नहीं होने के कारण वे सामग्री को नहीं ले सकती थी जिससे उनकी पढाई भी रूक सकती थी परन्तु रूम टू रीड के द्वारा सामग्री प्रदान करने के कारण छात्राओं को अपनी पढ़ाई के लियें सभी जरूरी षिक्षण

सामग्री उपलब्ध हो गई जिससे वे अपनी पढ़ाई को निरन्तर जारी रख रही हैं।सहायक षिक्षण सामग्री के मिलने के कारण छात्राओं के पालक/अभिभावक भी काफी खुष है वे कहते है कि अगर हमारी बालिका आपके कार्यक्रम से नहीं जुड़ती तो वह आगे अपनी पढ़ाई नहीं कर पाती क्योंकि हमारें पास इतने रूपये नही है कि हम अपनी

बालिकाओं की षिक्षा संबंधी सभी आवष्यकता की पूर्ति की नहीं की जा सकती, पालकों ने कहा कि हम आपके बहुत आभारी है। छात्राओं को सामग्री देकर षिक्षा की गुणवत्ता व उनके शैक्षणिक स्तर को विकास की ओर ले जाने के लिये प्रयासरत हो सके। छात्राओं को सहायक षिक्षण सामग्री में कापी, पेन, पेन्सिल, रबर, कटर, स्केल, रजिस्टर, प्रायोगिक रजिस्टरदीये गये।सहायक षिक्षण सामग्री देकर,षिक्षा संबंधी मूलभूत आवष्यकताओं की पूर्ति कर छात्राओं को षिक्षण संसाधनों की समस्याओं से मुक्त रखने का प्रयास किया गया।

उपलब्धियां

- 8 छात्राएं कक्षा 12 वी और 27 छात्राएं कक्षा 11 वी कीउत्तीर्ण हुई।
- सुधा विश्वकर्मा ने अखिल भारतीय स्तर की नीट की परीक्षा उत्तीर्ण की।
- पालक अब अपनी छात्राओं को नियमित स्कूल भेजते हैं।
- छात्राओं की हिचकिचाहट कम हुई।
- पालक अपने बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित करने लगे। जिससे बच्चों को अध्ययन करने में मदद मिलने लगी है।
- बाल पंचायत में छात्राएँ अपने विचारों का प्रतिनिधित्व करने लगी है।
- छात्राओं को उद्यमिता विकास के बारे में जानकारी प्राप्त हुई जिससे व प्रभावशाली व्यापार करने में मदद मिली।
- माता–पिता ने पलायन पर ले जाना बन्द कर दिया।

चुनौतियॉ

- आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण छात्रायें काम पर जाती है।
- जीवन कौशल सत्रों को समझने के बाद भी छात्रायें भूल जाती है।
- जीवन कौशल सत्रों में कई छात्राएँ झिझक के कारण नही बोल पाती है।
- कार्यक्षेत्र एवं कार्यालय के बीच की दूरी अधिक होने के कारण एवं संचार की सुविधा नही होने के कारण बहुत परेषानी होती है।
- गृह भ्रमण के दौरान पालक समय पर नही मील पाते हैं।
- छात्राओ को समाचार पत्र–पत्रिकाएं उपलब्ध नही हो पाती हैं जिसमे वे पत्र–पत्रिका की कटिग को समझ नही पाती है।
- छात्राए अपना स्वमूल्यांकन करने वाली गतिविधियॉ ठीक तरह से नही कर पाती है।

दलित अधिकार अभियान

संसाधनो जैसे जल, जंगल, जमीन तथा खनिज संसाधनों पर समुदाय का नियंत्रण

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं के आधार पर प्राप्त उपलब्धियां।

1. गत वर्ष भूमि के मुद्दे पर लगायें 900 दावों के अन्तर्गत कम से कम 500 पट्टों की सुनिष्चितता।
2. भूमि पर 10 वर्ष से कब्जें वाले समुदाय के लगभग 1000 साथियों के दांवे लगायें जायेगा व पट्टें सुनिष्चित करने की प्रक्रिया की जावेगी।
3. कार्यक्षेत्र के सभी भूमीहिनों को सूचीबध्द करना सुनिष्चित किया जायेगा।

प्राप्त उपलब्धियां

1. आवासीय भूमि के सम्बंध में लगायें गये दांवों पर समुदाय का नेतृत्व लगातर संघर्षरत है और अब तक लगभग 369 पट्टें प्राप्त किये गये है।
2. कब्जें बाली भूमि पर पट्टों की मांग करने की प्रक्रिया जारी है, प्रषासन को नियमानुसार कार्यवाही करने हेतू ज्ञापन सौपें गयें है और सूचीबध्द दांवे लगाये गये है।
3. कार्यक्षेत्र में भूमिहिनों को सूचीबध्द करने का कार्य लगातार जारी है एवं समुदाय के द्वारा यह तय किया गया है अभियान की समाप्ति के बाद समुदाय के नेतृत्व इस कार्य की जिम्मेदारी स्वयं लेगें।

नियोजित गतिविधियां

गतिविधि का नाम :– ग्राम स्तरीय बैठकें

आयोजन दिनांक :– जनवरी से मार्च 2016 स्थान :– हरदा जिले के गॉव

स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता

उददेष्यः–गॉव स्तर पर समूह मजबूत हो, समुदाय को सुरक्षा योजनाओ का लाभ मिल सके, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को सम्मान मिल सके, जल, जंगल, जमीन पर समुदाय की पहुॅच बने, षासकीय योजनाओ से समुदाय लाभान्वित हो।

प्रतिभागियों का विवरण :–

जिला	महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि.महिला	वि. पुरुष	कुल बैठक	कुल
हरदा	221	247	163	214	10	33	23	808

परिणाम :–

अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को जमीन के मुद्दे पर एक होकर समझ स्थापित की तथा समूह ने मिलकर तय किया कि जमीन के अधिकार की लड़ाई साथ मिलकर लड़ी जायें। भूमिहिनों कि सूची तैयार कि गयी। आवसीय जमीन के पट्टे मिले।

गतिविधि का नाम :– लैण्ड इज अवर डिग्निट केम्पेन

स्थानः– हरदा जिले के गांव

उददेष्यः–जमीन के मुद्दे को समुदाय आत्मसम्मान से जोड़कर देखे, भू–अधिकार पर लोग अपनी मांग रख सके, भूमिहिन परिवारों की सूची तैयार की जाये, प्रषासन के समक्ष जमीन के सीमांकन हेतू आवेदन किये जाये, आवासीय पट्टो के लिए आवेदन किये गये।

प्रतिभागियों का विवरण :–

जिला	महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि.महिला	वि. पुरुष	कुल बैठक	कुल
हरदा	126	186	–	–	15	23	25	

परिणाम :– अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को जमीन के मुद्दे पर एक होकर समझ स्थापित की तथा समूह ने मिलकर तय किया कि जमीन के अधिकार की लड़ाई साथ मिलकर लड़ी जायें। भूमिहिनों कि सूची तैयार कि गयी। आवसीय जमीन के पट्टे मिले। सीमांकन के आवेदन लगाये गयें। कब्जें वाली जमीन पर पट्टें व अधिकार पत्र प्राप्त करने हेतू प्रषासन को आवेदन दिये गयें।

नियोजित गतिविधियां

गतिविधि का नाम :– ग्राम स्तरीय बैठकें

आयोजन दिनांक :– जनवरी से मार्च 2016

स्थान :– हरदा जिले के गॉव

स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता

उददेष्यः–गॉव स्तर पर समूह मजबूत हो, समुदाय को सुरक्षा योजनाओ का लाभ मिल सके, अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं अन्य गरीब वर्ग के समाज को सम्मान मिल सके, जल, जंगल, जमीन पर समुदाय की पहुच बने, षासकीय योजनाओ से समुदाय लाभान्वित हो।

प्रतिभागियों का विवरण :–

जिला	महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि.महिला	वि. पुरुष	कुल बैठक	कुल
हरदा	221	247	163	214	10	33	23	808

परिणाम :– अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को जमीन के मुद्दे पर एक होकर समझ स्थापित की तथा समूह ने मिलकर तय किया कि जमीन के अधिकार की लड़ाई साथ मिलकर लड़ी जायें। भूमिहिनों कि सूची तैयार कि गयी। आवसीय जमीन के पट्टे मिले।

गतिविधि का नाम :– लैण्ड इज अवर डिग्निट केम्पेन

स्थानः– हरदा जिले के गांव

उददे्श्यः–जमीन के मुद्दे को समुदाय आत्मसम्मान से जोड़कर देखे, भू–अधिकार पर लोग अपनी मांग रख सके, भूमिहिन परिवारों की सूची तैयार की जाये, प्रषासन के समक्ष जमीन के सीमांकन हेतू आवेदन किये जाये, आवासीय पट्टो के लिए आवेदन किये गये।

प्रतिभागियों का विवरण :–

जिला	महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि.महिला	वि. पुरुष	कुल बैठक	कुल
हरदा	126	186	–	–	15	23	25	

परिणाम :– अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को जमीन के मुद्दे पर एक होकर समझ स्थापित की तथा समूह ने मिलकर तय किया कि जमीन के हक की लड़ाई साथ मिलकर लड़ी जायें। भूमिहिनों कि सूची तैयार कि गयी। आवसीय जमीन के पट्टे मिले। सीमांकन के आवेदन लगाये गयें। कब्जें वाली जमीन पर पट्टें व अधिकार पत्र प्राप्त करने हेतू प्रषासन को आवेदन दिये गयें।

गांव से लेकर शहर तक का सफर

मेरा नाम भैयालाल (उम्र–32 वर्ष) मैं गांव–कुड़ावा, तहसील–खिरकियां, जिला–हरदा का रहने वाला हुं मै एक पैर से विकलांग हुं। मैं कक्षा 8 वी तक पढा हू। मेरे परिवार में 4 सदस्य है, मेरी मां अनार बाई घर का काम करती है मेरे पिता रामदीन खेत में काम करते है।

''एक आम इंसान के लिए जिंदगी में आगे बढ़ना आसान होता है, लेकिन जब कोई व्यक्ति असहाय, विकलांग हों और उसमें भी यदि समाज के सबसे निचले पायदान रखें गयें दलित समुदाय से हो तो उसके लिए जिंदगी, जिंदगी नही बल्कि नर्क हो जाती है, मेरे जीवन में दलित अधिकार अभियान ने जो बदलाव किया है जिसकी कल्पना मैने सपने में भी नही की।''

आज मैं बहुत खुष हु क्योंकि आज में अपने गॉव में अपना छोटा सा व्यवसाय टेलर का काम करता हॅ। आज से 5 वर्ष पहले मेरी स्थिति अत्यंत ही दयनीय थी क्योंकि में विकलांग था और इसके कारण में अपने आप को बहुत ही असहाय और निर्बल समझता था घर के लोग भी मेरे प्रति आषाहिन थे। बचपन से ही ऐसी स्थिति में रहकर और समाज के ताने सह सह कर मैं पूरी तरह से टूंट चुका था। फिर एक दिन मेरा परिचय दलित अधिकार अभियान के कार्यकर्ता से हुआ और मुझे पता चला कि दलित अधिकार अभियान विकलांगता के मुद्दे पर भी कार्य करता है और हम जैसे विकलांग साथियों को आत्मसम्मानपूर्ण जिंदगी प्रदान करने के लिए उनके विकलांगता प्रमाण पत्र, सहायक उपकरण, रेल पास, नौकरी–रोजगार आदि पाने में मदद करते है अभियान के साथियों ने मुझे समझाया कि विकलांग होने का अर्थ यह नही होता कि व्यक्ति का पूरा जीवन बेकार है, व्यक्ति के अन्दर यदि जज्बा हो तो वो कुछ भी कर सकता है। उनकी बाते सुनकर मुझमें साहस जागा।

इसके बाद मै सक्रिय रूप से बर्ष 2012 से जुडा और लगातार अभियान कि गतिविधियो में भाग लेने लगा और अभियान के कार्यकर्ता के मदद से विकलांगता प्रमाण पत्र, रेल पास और स्वरोजगार योजना के तहत् से लोन

लेकर मैने टेलरींग के कार्य को आंगे बढाने कि योजना बनाई जिसमें सबसे पहेले मै अपना आवेदन बैक में लोन हेतू आवेदन दिया मेरे आवेदन पर कार्यवाही करते हुए। मुझे बैक ने 40 हजार रूपये का लोन दिया जाना था जिसमें पहले मुझे 20 हजार रूपये मिले इसके बाद बाकि 20 हजार रू. देने में के लिए बैंक मैनेजर आनाकानी करने लगा। इधर गॉव मेंरी सिलाई काम कम चल रहा था मैने सोचा कि ऐसे में तो मै बैंक का कर्जदार बन जाउगा। मैने यह बात मेरे गांव के समूह को बताई और उस अधिकारी षिकायत समूह की मदद लेकर उच्च अधिकारीयों से की बाद में मुझे बचें हुयें 20 हजार भी मिल गयें। अभियान द्वारा दियें साहस से मेने मेरी सिलाई की दुकान मेरे गांव से तहसील स्तर पर खिरकिया मे खोली। मेरी दुकान वर्तमान में अच्छी चल रही है। मैं दलित अधिकार अभियान के साथियों का शुक्रगुजार हुं क्योंकि आज मैने अभियान से जुड़कर जो मेरे जीवन में जो परिवर्तन हुआ है जिससे मैं मेरी विकलांगता को भूल गया हुं।

दलित अधिकार अभियान द्वारा वर्ष 2012 में विकलांगता के मुद्दें पर कार्य प्रारम्भ हुआ जिसके अर्न्तगत अभियान के दोनों जिलें हरदा व होषंगाबाद में 2020 विकलांग साथियों का सर्वे कर चिन्हांकित किया गया तथा उनकी समस्याओं को चिन्हाकिंत कर उनके लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य प्रारम्भ किया तथा उनके समूहो का निर्माण किया गया। इस कार्य के अर्न्तगत अब तक 763 विकलांगता प्रमाण, 972 को सहायक उपकरण, 1022 रेल पास आदि प्रयास कियें गयें है।

अर्थव्यवस्था और राजनीति सभी स्तरों पर समाज का लोकतांत्रिकरण।

लक्ष्यः–

अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को समाज मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें जातिगत असमानता, आपसी छुआछूत, जाति आधारीत कार्य एवं अत्याचार जैसी स्थितियों से मुक्त कर उनकें जीवन में सामाजिक, आर्थिक, एवं प्रजातांत्रिक विकास के प्रति जागरुकता प्रदान करना।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं के आधार पर प्राप्त उपलब्धियां।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं ज्ञमल चतवउपेम

1- 290 ग्राम विकास नियोजन की कार्ययोजना तैयार कराना।

2- छुआछूत मुक्त ग्राम की घोषणा।

3- ग्राम पंचायत के माध्यम् से 30 भिन्न क्षमता वाले साथियो का समुदाय आधारित पुर्नवास करवाना।

4- 150 गांव मे शत्–प्रतिषत सामाजिक सुरक्षा योजनाओ के लाभ से जोड़ना।

प्राप्त उपलब्धियां

1- वर्तमान में अभियान के कार्यक्षेत्र के लगभग 165 गांव में समुदाय के लोगों को ग्राम विकास नियोजन के विषय पर प्रषिक्षित किया गया है, जिसके फलस्वरुप समुदाय के लोगों ग्राम विकास नियोजन प्रक्रिया में सषक्त भागीदारी की है।

2- अभियान के कार्यक्षेत्र के 110 गांव समुदाय ने सामूहिक रुप से प्रस्ताव तैयार कर उनके गांव को छुआछूत मुक्त गांव बनाने के लिए पंचायत में भेजे है जिसके अर्न्तगत पंचायत द्वारा ग्राम उदय से भारत उदय अभियान के कार्यक्रमों में इस विषय को लेकर चर्चा की गई।

3- अभियान के अन्तर्गत अलायन्स के साथी सी.बी.आर. कार्यक्रम से जुड़कर विकलांग साथियों का पुर्नवास किये जाने सम्बंधी प्रक्रियायें जारी है, जिसमें अर्न्तगत अब तक लगभग 12 साथियों के पुर्नवास का कार्य किया गया है।

4- अभियान में सघन एवं विरल दोनो ही कार्यक्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा से सम्बंधित योजनाओं का लाभ दिलाने हेतू कार्य किया जा रहा है जिसमें समुदाय के लिडर

नियोजित गतिविधियां

गतिविधि का नाम :– इम्पावरमेंट केम्पेन फॉर सोषल ग्रुप

आयोजन दिनांक :– 24 एवं 25 दिसम्बर 2016
स्थान : प्रगति ग्रामीण विकास संस्था, बैतूल

स्त्रोत व्यक्ति :–सुषील रागड़े एवं संजय एनिया
कार्यक्षेत्र के दस ग्रामों के स्वसहायता समूहों को आमनिर्भर बनाने व उन्हें आर्थिक व सामाजिक सषक्तिकरण की दिषा में आगे बढ़ाने के उददेष्य से उन्हे समूह के बनाने तथा समूहो का पुर्ननिर्माण ग्राम स्तरीय आपसी संचालन में मदद करने के लिये ग्राम से आये सदस्यों ने बचत के माध्यम से समूहो का निर्माण तथा प्रत्येक ग्राम मजबूत समूहो को सषक्त करने के साथ चर्चा को प्रारभ्भ किया गया । ग्रामों के स्व सहायता समूह क्रय विक्रय का कार्य के बारे में बताया गया तथा मासिक बचत कर समूह को मजबूत करने पर विचार विमर्ष किया गया । जनपद व बैक से समूह ग्रेडिग करवाना जिससे बैक से समूह विकास व व्यवसाय हेतु ऋण मिलने पर चर्चा की गई

उददेष्यः–

1. समुदाय और समूह के साथियों को ग्रामीण स्तर पर संचालित योजनाओं विकास सम्बंधी कार्यो की जानकारी प्राप्त हो सकें।
2. ग्रामीण समुदाय कों प्रस्ताव लिखना एवं प्रस्ताव की प्रक्रियाओं की जानकारी हो सकें।
3. ग्रामीण समुदाय अपने समुदाय की समस्याओं एवं ग्राम की समस्याओं कों प्रस्ताव में कैसे लाऐं इसकी जानकारी हो सकें।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि.पुरुष	कुल
37	42	–	–	–	01	80

परिणामः–

1. समुदाय को पंचायत स्तर की शासकीय योजनाओं की जानकारीयों से सम्बधित समझ बढ़ी।
2. समुदाय को शिकायत एवं योजना सम्बन्धी प्रस्ताव लिखना सीखा एवं उसकी प्रकिया को सीखा, किस–किस तरह की समस्याओं मे किन–किन स्तरों पर आवेदन दिये जाने होते है जिनसे समस्याओं का निराकरण आसानी से हो सकें।
3. समुदाय अपनी एवं ग्राम की समस्याओं को प्रस्ताव में कैसे लाए यह जानकारी सीखी और यह भी जाना की ग्राम सभा एवं जनप्रतिनिधियों की क्या महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
4. इसके अलावा समुदाय के लोगों ने विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर की जानकारी प्राप्त की और षिकायत दर्ज करने सम्बंधी प्रक्रिया को जाना।

महिला अधिकार एवं बालिका अधिकार को मानवधिकार के रुप में स्वीकार करना।

लक्ष्यः– अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय की महिलाओं एवं बालिकाओं की समाज में जाति, वर्ग तथा लिंग आधारित भेदभाव तथा पितृसत्तात्मक सोंच के बोझ से मुक्ति के लिए परिवारों एवं समाज में जागरुकता लेकर आना। महिला पर होनें वाली विभिन्न हिंसाओं पर रोक लगाना तथा महिलाओं एवं बालिकाओं को षिक्षा, स्वास्थ एवं रोजगार जैसें मुद्दों पर आत्मनिर्भर बननें के लिए जागरुक करना।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं के आधार पर प्राप्त उपलब्धियां।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं ज्ञमल चतवउपेम

1. 10 नारी सहयोग केन्द्र को शौर्य दल से जोड़ा जायेगा।
2. किशोरी समूह की लगभग 30 बालिकाओं किषोरी स्वास्थ एवं महिला कानूनो पर मास्टर ट्रेनर के रुप में तैयार किया जायेगा।
3. अनुसूचित जाति व आदिवासी,गरीब वर्ग, महिला किसान का ग्राम व तहसील स्तर पर सम्मान करना।
4. पूर्व में जो भूमि के पट्टें पुरुषों के नाम पर थें उन्हें महिला के नाम अथवा संयुक्त पट्टें के रुप में परिवर्तित करायें जाने की प्रक्रिया करायी जायेगी।

प्राप्त उपलब्धियां :–

1. अभियान के अर्न्तगत लगभग 23 गांवो मे संचालित नारी सहयोग केन्द्रों के 45 महिला साथीयों उनके गांव में गठित शौर्य दलों में भागीदारी करायी गई है। जिससे नारी सहयोग केन्द्रों का जुड़ाव सीधे तौर पर शौर्य दलों से हुआ है।
2. अभियान के अर्न्तगत तैयार किये गये किषोरी समूहों की लगभग 45 किषोरी बालिकायें मास्टर ट्रेनर के रुप में तैयार हुई है तथा अपने समूह एवं स्कूल में पढ़ने वाली किषोरी बालिकाओं में स्वास्थ के प्रति जागरुकता लाने सम्बंधी कार्य कर रही है।
3. अभियान के अर्न्तगत अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस, साविंत्री बाई फूले जयंती तथा महिला हिंसा विरोधी पखवाड़े के दौरान दलित व आदिवासी समुदाय की लगभग 29 महिला किसानों को सम्मानित किया जिन्होने कृषि के क्षेत्र में अपना योगदान दिया।
4. नये बन रहे रहे कृषि भूमि, आवासीय भूमि तथा क्रय की जा रही भूमि के मामलों वर्तमान पट्टे अथवा रजिस्ट्री महिलाओं के नाम पर तथा पति और पत्नी दोनों के नाम पर बनाये जा रहें है।
   नियोजित गतिविधियां

<u>गतिविधि का नाम :– स्वास्थ्य पर किषोरी प्रषिक्षण</u>

आयोजन दिनांक :– 27.6.2016 एवं 29.12.2016 स्थान :–कार्यालय, हरदा

स्त्रोत व्यक्ति :–कोकिला उमरीया एवं ज्योति दमाड़े

उददे्ष्य :–

1. किषोरीयों में होने वाले बदलावों की जानकारी देना।
2. हिंसा से जुड़े कानूनो का बताना।
3. सावित्री बाई फुले के बारे मे बताना, किषोरी समूह मजबूत करना।
4. आकस्मिक स्थितियों मे उपयोग में आने वाले महत्वपूर्ण नम्बरों कि जानकारी देना।
5. किषोरवस्था में होने वाले बदलाव और स्वास्थ पड़ने वाले प्रभाव तथा इन स्थितियों में देखभाल सम्बंधी विषयों के बारे में जानकारी प्रदान करना।

प्रतिभागियों का विवरण :–

दिनांक	महिला	पुरुष	बालक	बालिका
27.06.16	–	–	–	25
29.12.16	–	–	–	30

परिणाम :–

1. किशोरी बालिकाओ ने अपने स्वास्थ्य के बारे में जाना और यह भी जाना कि स्वास्थय सम्बंधी किन–किन परेषानियों किस प्रकार किन–किन स्थानों पर स्वास्थय लाभ लिया जा सकता है।
2. किषोरी मासिक चक्र के दौरान साफ–सफाई एवं खान–पान में तिरंगा आहार क्या है जाना तथा मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों से भी वे अवगत हुई।
3. विषेषकर किषोरावस्था में होने वाले शारीरिक परिवर्तन के विषय में विस्तार से जाना तथा जिससे उनमें झिझक समाप्त हुई और वे स्वच्छन्द रुप से अपने अन्दर होने वाले परिवर्तनों के बारे में और उससे जुड़े मिथकों के बारे बताने लगी।

किषोरी बालिकाओं ने अपने अधिकारों के बारे में जाना और यह भी समझा कि घर और बाहर होने वाली विभिन्न प्रकार की हिंसाओं से किस प्रकार निपटा जाये

नियोजित गतिविधियां

गतिविधि का नाम :– महिला शोषण मुक्ति यात्रा

आयोजन दिनांक :–3 से 16 दिनांक 2016

स्थान :– हरदा, बैतूल,

स्त्रोत व्यक्ति :–ज्योति, उमा परमार, सुन्दर भाई

उददे्ष्य :–

1. डॉ अम्बेडकर जी के जयंती का 125 वा वर्ष साथ ही मिराबेल बहनों को याद में महिला हिंसा

विरोधी पखवाड़े के दौरान "महिला शोषण मुक्ति यात्रा" का आयोजन।

2. महिला हिंसा व महिला शोषण से मुक्त बनाने का प्रयास किया जायेगा, जिसमे शासन, प्रशासन, नागर समाज के महिला सम्मान, सुरक्षा व न्याय की बात उठाई जायेगी।
3. महिला हिंसा से जुड़े प्रकरणों, सक्सेस स्टोरीयों का संकलन किया जायेगा।
4. महिला शोषण मुक्ति राज्य स्तरीय यात्रा में मध्य प्रदेश के महिला हिंसा एवं अत्याचारों की स्थितिया सुधारने तथा समानता व न्यायपूर्ण समाज की स्थापना किस प्रकार हो सकती है इस संबंध में विचार किया जाएगा।

प्रतिभागियों का विवरण :–

जिला	महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
हरदा	193	112	–	–	11	12	328
बैतूल	129	86	–	–	–	–	215
कुल	322	198	–	–	11	12	53

परिणाम :–

1. राज्य स्तर पर आयोजन प्रभावी रहा उसी प्रकार मध्यांचल में भी महिला शोषण मुक्ति यात्रा ने समुदाय में पहुॅची और महिला हिंसा मुक्त प्रदेष का संदेष पहुंचाया।
2. समुदाय स्तर महिलाओं में जागरुकता आयी और उनमें आत्मविष्वास जागृत हुआ।
3. महिला हिंसा विरोधी पखवाड़े एवं महिला हिंसा विरोधी पखवाड़े के अर्न्तगत महिला हिंसा से सम्बंधित प्रकरणों को एकत्रित कर जनसुवाई में प्रस्तुत किया गया तथा उनका निराकरण कराने हेतू प्रक्रिया में लाया गया।

बच्चों को राजनैतिक एवं समान नागरिकता के रुप में मान्यता प्राप्त हों।

लक्ष्य :– समुदाय के बच्चों उनकें अधिकारों के प्रति जागरुक कर उन्हें भेदभाव, बालमजदूरी, बालषोषण आदि से मुक्त कर गुणवत्तापूर्ण षिक्षा से जोड़ना तथा समूहोत्मक रुप से सभी स्तरों पर (खेल, सहभागिता, विचारभिव्यक्ति) विषेष अवसर प्रदान कर तथा सुरक्षित वातारण में विकास की और लेकर जाना।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं के आधार पर प्राप्त उपलब्धियां।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं ज्ञमल चतवउपेम

1- बाल भीम समूह के लगभग वे बच्चें जों 10 वी/12 वी की परिक्षाओं में सम्मिलित हों रहें है उन्हें चिन्हित कर उच्च षिक्षा हेतू केरीयर काउंसलिंग की जावेगी।

2- लगभग 100 अलग–अलग गांव से बाल भीम समूह के बच्चों को ट्रेनर के रुप में तैयार किया जायेगा ताकि आगामी समय में वे बालभीम समूहों का संचालन स्वयं तथा सामाजिक

समूहों के साथ मिलकर कर सकें।

3- स्पांसरषीप के सभी बच्चों के जीवन में अभियान की समयावधि में हुयें बदलाव को अध्ययन स्वरुप में तैयार किया जायेंगा

प्राप्त उपलब्धियां :–

1- बाल भीम समूह के युवाओं को भविष्य में अपना उचित केरीयर चुनने के लिए काउंसलिंग प्रदान करने का कार्य लगातार जारी है, युवाओं को उचित मार्गदर्षन प्रदान करने के लिए जिले तर युवाओं का समूह लगातार केरीयर कॉउंसलर के रुप में कार्य कर रहा है।

2- अभियान के अर्न्तगत बाल भीम समूह नेतृत्व विचारषालाओं के माध्यम से बाल भीम समूह के बच्चों की नेतृत्व क्षमता का विकास किया गया है जिसके माध्यम से लगभग 86 बच्चें मास्टर ट्रेनर के रुप में तैयार हुयें और वे भविष्य मे ग्राम स्तर अपने बाल भीम समूह के विस्तार और संचालन का कार्य करेंगें।

3- अभियान के अर्न्तगत वे बच्चें जिन्हें स्पांसरषीप के अर्न्तगत चिन्हित किया गया था। उनके जीवनों मे हुयें बदलाव पर केस स्टडी तैयार की गई है तथा बच्चों के जीवन में प्रत्येक स्तर हुयें परिवर्तन का आकलन करने हेतू अध्ययन जारी है।

प्रमुख लक्षित बिन्दुओं ज्ञमल चतवउपेम

1- प्रदेश में घटने वाली अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय के अत्याचार के मामलों पर दृष्टी रखी जायेगी तथा जिन मामलों में पैरवी की आवष्यकता होगी उनमें सुनिष्चित रुप से केन्द्र के माध्यम से यथा सम्भव मदद की जावेगी।

2- नेतृत्व विचारषाला के माध्यम से 60 प्रथम स्तर के नेतृत्व तैयार करना।

प्राप्त उपलब्धियां

1- डॉ0 अम्बेडकर सामाजिक न्याय केन्द्र के माध्यम से मध्यप्रदेष के अलग–अलग जिलों मे घटित विभिन्न छुआछूत, भेदभाव, हिंसा और अत्याचार की लगभग 12 घटनाओं मे फैक्ट फाइंडिंग, अवलोकन एवं पैरवी सम्बंधी कार्य किया गया है।

2- अभियान के अर्न्तगत नेतृत्व विचारषालाओं के माध्यम से लगभग 80 लिडर तैयार हुये है जो समुदाय में सामुदायिक विकास एवं वैचारिक विकास का कार्य कर रहें है।

गतिविधि का नाम :– ''मेरे कार्य क्षेत्र में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय अत्याचार की स्थिति पर दो दिवसीय परिचर्चा''

आयोजन दिनांक :–3 एवं 4 फरवरी 2016 स्थानः– आईकफ आश्रम, भोपाल

स्त्रोत व्यक्ति :–राजेन्द्र बंधू, विदयराज मालवीय एंव जस्टिस दुबें।

उददे्ष्य :– मध्यप्रदेष के अलग–अलग अंचलो और जिलों में दलित समुदाय पर हो रहें अत्याचारों की स्थिति को जानना, अनु. जाति एवं अनु. जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के नवीन संषोधित स्वरुप के विषय में अवगत कराना।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बलिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
12	22	–	–	–	–	34

परिणामः– अलग–अलग अंचलों और जिलों में अत्याचार की स्थितियों की जानकारी एकत्रित की गई। अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय के हिंसा और अत्याचार के प्रकरणों को संकलित किया गया। अनु.जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के विस्तारीत एवं संषोधित स्वरुप को गहराई से लोगों ने समझा और इसके सही स्वरुप में क्रियान्वयन के बारे में अवगत हुये।

किसी की दया से नही अपने अधिकार से मिला रोजगार''

''मेरा नाम रामवती बाई निमोरे है, मेरी उम्र 50 बर्ष है मै गावं–हिरापुर, तहसील–खिरकिया, जिला–हरदा की रहने वाली हुं। मेरे परिवार में मुझे मिलाकर कुल छः सदस्य है, जिसमें मेरे पति का नाम पूरनलाल निमोरे (उम्र–55 वर्ष), 2 बालक एवं 2 बालिकायें है। पिछलें 8 वर्षो से में दलित अधिकार अभियान के अर्न्तगत मेरे गांव में तैयार सावित्री बाई महिला चेतना समूह की सदस्य हुं और लगातार अभियान की गतिविधियों में सक्रियता से भागीदारी करती रहती हुं। अभियान से जुड़कर हमारें महिला समूह ने बहुत सारी समस्याओं का निराकरण किया है, फिर वह चाहें गांव की सड़क की समस्या हों या फिर पानी की हर तरह की छोटी मोटी समस्याओं पर हमारें महिला संगठन पे सक्रियता से काम करता है।

पिछलें दिनों इसी प्रकार से हमारे गांव मे रोजगार गारंटी योजना के कार्यो के तहत् एक सबसे बडी समस्या निकलकर आयी। जिसमें गांव मे रोजगार गारंटी के तहत् पहलें लोगों से ही काम कराया जाता था और इससे लोगों को रोजगार भी मिलता था और उनकी आमदनी भी अच्छी खासी हो जाती थी। लेकिन हुआ यें पंचायत ने गांव मे विकास कार्यो को गति प्रदान करने के लिए की मषीन आने से मजदुर के लिए कोई काम नही पंचायत भी कोई काम नही देती। हमारे गांव मे प्रगति ग्रामीण विकास संस्था के द्वारा दलित अधिकार अभियान के माध्यम से रोजगार हरदा में दलित अधिकार अभियान के माध्यम से आत्ममम्मान और आजिविका को लेकर सघन रूप का किया जा रहा है। हरदा में समूह के माध्यम सें जिला कलेक्टर से मिल कर महात्मा गॉधी रोजगार गारन्टी योजना के माध्यम से सचिवो ने काम देना बंद कर दिया था गॉव में इस प्रकार का माहौल बनाया जा रहा था अभी काम नही है यह योजना बंद होने बाली है इसके लिए राषी का आंवटन नही है। समूह के पदाधिकारीयो ने इस संबंध हरदा कलेक्टर श्रीकांत बनोठ से चर्चा कि पूरी विस्तार पूर्वक चर्चा कर बताया। इसके बाद हरदा कलेक्टर ने हरदा जिले के प्रत्येक गॉव में काम षुरू करने के आदेष दिया। आदेष के बाद हरदा जिले के 85 गॉव 60–60 दिनों की मजदूरी दी गयी। इस प्रकार इस वर्ष 2553 व्यक्तियों को रोजगार मिला। 512 परिवारों ने 100 दिनों का पूर्ण कर लिया गया। दलित अधिकार अभियान के सहयोग और समूह के प्रयास से इस अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय को 2,43,46,080 रूपये का लाभ हुआ और 61 कुप निर्माण हुआ है।

परिणामः–

- अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछडे समुदाय अत्याचार के मामले में जागरूक हुए तथा मानव अधिकारों की प्रक्रियों का पालन करने लगे।
- महिला और किषोरियों के समूह कानूनों संबंधी जानकारी के प्रति जागरूक हुए।
- 60 गांवों में अस्पृष्यता एवं लड़का और लड़की के भेदभाव में कमी आई।
- बाल भीम समूह के 86 बच्चों में नेतृत्व क्षमता विकसित हुई।
- 20 गांव में समूह का गठन हुआ।
- मनरेगा के तहत 348 लोगों को काम मिला।
- आवासीय भूमि के समुदाय को 369 पट्टे प्राप्त हुए।
- 645 लोगों को अनुसूचित जनजाति निवारण अधिनियम के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।
- 450 लोग पंचायत स्तर पर राजनैतिक नेतृत्व करना प्रारम्भ किया।

- 262 विकलांग व्यक्ति अधिकारों के बारे में जागरूक हुए।
- 165 गांवों में समुदाय के लोगों नें ग्राम विकास नियोजन का उपयोग किया।
- 110 गांवों में समुदाय ने सामूहिक रूप से छूआछूत मुक्त गांव के लिये प्रस्ताव तैयार कर के पंचायत को दिया।

बाल पंचायत

प्रतिमाह बाल पंचायत का आयोजन किया जाता है जिसमें छात्राओं के द्वारा कई प्रकार के प्रस्ताव पास किये जाते है तथा कई नियम गिनाये जाते है जिस प्रकार से वास्तविक पंचायत में कार्य होता है ठीक वैसे ही इस बालिका पंचायत में होता है। यह सारी गतिविधि होने के बाद में सभी छात्राओं स्वतंत्रता दिवस पर की जाने वाली गतिविधि के बारे में अपने–अपने विचार रखें और निर्णय लिया गया कि किस छात्रा का क्या काम होगा सभी छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार की तैयारी के निर्णय लिये गये। बालिका पंचायत को प्रारंभ करने से पूर्व माह में जो गतिविधि की जाती है उसके बारे में पूर्वालोकन किया जाता है उसके बाद में ही आगामी बैठक की कार्रवाई को प्रारंभ किया जाता है।

आदिवासी क्षेत्र में निवास करने वाली छात्राओं में पंचायत स्तर पर किस प्रकार से कार्य किया जाता है इसके बारे में समझ बनाने और निर्णय किस प्रकार से लिए जाये यह उन्हें बताने के लिए प्रतिमाह, माह के अन्त में बालिका पंचायत आयोजित की जाती है। जिस प्रकार के निर्णय वास्तिविक पंचायत में लिये जाते है, उसी प्रकार के निर्णय बालिका पंचायत में लिये जाते है। बालिका पंचायत में बाल दिवस, महात्मा गांधी जयंती, क्रिसमस इत्यादि के बारे में चर्चा की जाती है। इससे बालिकाओं में समझ का विकास होता है। बालिका पंचायत में बालिकाओं से चित्र भी बनवाये जाते है। जिससे उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होता है। बालिका पंचायत में षिक्षा, स्वच्छता, मनोरंजन, खेल, व्यायाम, राष्ट्रीय पर्व, शाला की स्वच्छता के बारे में चर्चा जाती है।

परिणामः–

- बालिकाओं में नेतृत्व की क्षमता विकसित हुई।
- बच्चों में षिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित हुई।

शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क : कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की सूचना एवं शालेय षिक्षकों से अनुमति हेतु विभिन्न शासकीय कार्यालयों से सम्पर्क स्थापित किया गया, जिसके अंतर्गत छात्राओं को अनुभव लाभ यात्रा, उड़ान विकास कैम्प, व जीवन कौषल प्रषिक्षण के लिये ले जाने की स्थिति में शाला षिक्षकों व प्राध्यापक से सम्पर्क कर उन्हें गतिविधि की सूचना देकर उनकी अनुमति ली जाती है एवं समय समय पर मनाये जाने वाले महत्वपूर्ण दिवस के आयोजन के संबधं में शाला षिक्षकों को सूचित किया जाता है। इसके अतिरिक्त शाला के रिजल्ट की सूची व अंकसूची हेतु भी शाला में संस्था कार्यकर्ताओं द्वारा सम्पर्क किया जाता है।

सचिव

प्रमोद कुमार नाईक